❖ ...कैसे 'मनरेगा' मजदूर 'गुझिया' और 'मालपुवा' खाएंगें, दारु 'पीएगें'? 2
❖ ...तो नहीं रहे जनसेवक नाजिम अली 5
❖ क्रिप्टो करेंसी मार्केट में लगातार दूसरे दिन रौनक, बिटकॉइन 66 हजार डॉलर के पार.. 7
❖ रणदीप हुड्डा ने सावरकर के रोल में खुद को झोंका राजनीतिक दलों को खटक सकते हैं ... 12

अखबार वो जो दिखाता है सच

तेजयुग न्यूज़

हिन्दी दैनिक

स्थापना दिवस 2024

www.tejyug.com

• रविवार, 24 मार्च, 2024
• Sunday, 24 March, 2024

• वर्ष/year : 01 •अंक/issu : 84 •पृष्ठ/page : 12• मूल्य/rate : 3 ₹

हापुड़ से प्रकाशित/ Published From Hapur

UPHIN/2023/51292

अब मोर्चे पर अरविंद केजरीवाल की पत्नी भी आयीं

वीडियो जारी कर जनता को केजरीवाल का संदेश बताया

▶▶ देश की सेवा करने से कोई रोक नहीं सकता

▶▶ जन कल्याण का कोई काम बंद नहीं होना चाहिए

तेजयुग न्यूज

नईदिल्ली: जेल से अरविंद केजरीवाल ने संदेश दिया है कि पहले भी बहुत संघर्ष किया है इसलिए गिरफ्तारी या जेल से कोई आश्चर्य नहीं होता। उनका यह संदेश उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने वीडियो में जारी किया। उनके सामने आते ही यह साफ हो गया है कि केजरीवाल के परिवार से एक पढ़ी लिखी और पूर्व आयकर अधिकारी रही महिला इस राजनीतिक मोर्चे पर कमान संभाल चुकी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने उनकी गिरफ्तारी के बाद अपने पहले सार्वजनिक बयान में शनिवार को उनकी ओर से एक संदेश दिया। उसके पति। उन्होंने वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में केजरीवाल का संदेश पढ़ते हुए कहा, मैंने बहुत संघर्ष किया है, इस गिरफ्तारी से मुझे आश्चर्य नहीं हुआ। केजरीवाल ने अपने पत्र में प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत से भी जीवन भर देश की सेवा करने की अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

कॉन्फ्रेंस के दौरान सुनीता केजरीवाल ने कहा, आपके बेटे और भाई दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने जेल से संदेश भेजा है- 'मेरे प्यारे देशवासियों मुझे गिरफ्तार कर लिया गया है। मैं जेल के अंदर रहूं या न रहूं, मैं देश की सेवा करती रहूंगा, मेरा पूरा जीवन देश के लिए समर्पित है। मैंने अपने जीवन में बहुत संघर्ष किया है और मैं जानता हूं कि यह जारी रहेगा। इसलिए इस गिरफ्तारी से मुझे कोई आश्चर्य नहीं हुआ। केजरीवाल, जिन्हें शुक्रवार को 28 मार्च तक प्रवर्तन निदेशालय

की हिरासत में भेज दिया गया था, ने अपने पत्र में आप कार्यकर्ताओं को सलाह दी कि वे उनकी गिरफ्तारी के कारण भाजपा सदस्यों से नफरत न करें। मैं आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से भी अपील करता हूं कि वे काम करें मेरे जेल जाने से समाज कल्याण और जन कल्याण का काम बंद नहीं होना चाहिए। इससे भाजपा वालों से नफरत मत करो। वे हमारे भाई-बहन हैं। केजरीवाल ने अपने पत्र में लिखा, मैं जल्द ही वापस आऊंगा।

दिल्ली के सीएम की ओर से जारी पत्र में कहा कि कोई भी जेल उन्हें लंबे समय तक सलाखों के पीछे नहीं रख सकती है और वह जल्द ही बाहर आएंगे और दिल्ली के लोगों से किए गए वादे पूरे करेंगे। भारत के भीतर और बाहर कई ताकतें हैं जो देश को कमजोर कर रही हैं। हमें सतर्क रहना है, इन ताकतों को पहचानना है और उन्हें हराना है। दिल्ली की महिलाएं सोच रही होंगी कि केजरीवाल सलाखों के पीछे हैं। कौन जानता है कि उन्हें 1000 रुपये मिलेंगे या नहीं। मैं उनसे अपील करता हूं कि वे अपने भाई, अपने बेटे पर भरोसा करें। ऐसी कोई जेल नहीं है जो उसे लंबे समय तक सलाखों के पीछे रख सके। मैं जल्द ही बाहर आऊंगी और अपना वादा निभाऊंगी, सुनीता ने जेल से केजरीवाल का संदेश पढ़ा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने सामूहिक प्रार्थनाओं की शक्ति में अपने विश्वास को रेखांकित करते हुए महिलाओं से मंदिरों में उनके लिए आशीर्वाद मांगने का आग्रह किया।

केजरीवाल को शुक्रवार को उत्पाद शुल्क नीति से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी के बाद 28 मार्च तक प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया गया था। आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को ईडी ने उत्पाद शुल्क नीति घोटाले में प्रमुख साजिशकर्ता करार दिया था। राउज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी के अनुरोध के अनुसार 10 दिन की हिरासत दी। वह 28 मार्च को दोपहर 2 बजे कोर्ट में पेश होंगे। एजेंसी द्वारा गिरफ्तारी के खिलाफ अपनी याचिका वापस लेने के बाद केजरीवाल ट्रायल कोर्ट में पेश हुए। इस बीच आज भी आप कार्यकर्ताओं ने इस गिरफ्तारी के विरोध में कई स्थानों पर प्रदर्शन किया, जिसमें पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी शामिल हुए।

चुनावी चंदे का राज खुलने के बाद आम आदमी पार्टी इस पूरे मामले को भी संदेह से देख रही है। कई लोगों का तर्क है कि चुनावी चंदा देने वाले व्यक्ति को ही ईडी ने अपना गवाह बनाया है। अब अगर शराब नीति की बात हो रही है कि चुनावी चंदा देने वाले ने भाजपा को चंदा दिया है, यह जाहिर है। इसलिए ईडी की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह भाजपा से भी पूछताछ करे।

शराब नीति मामला : अदालत में दायर अर्जी में पुलिस अधिकारी के खिलाफ शिकायत

एसीपी एके सिंह ने किया दुर्व्यवहार : केजरीवाल

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली: मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दावा किया है कि दिल्ली पुलिस के जिस अधिकारी ने शहर की एक अदालत के परिसर में पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया के साथ कथित तौर पर मारपीट की थी, उसने अब उनके साथ दुर्व्यवहार किया है। आप प्रमुख ने यह बात दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में दायर एक अर्जी में कही, जिसमें उन्होंने अधिकारी को अपने सुरक्षा घेरे से हटाने की मांग की है। अपने आवेदन में, श्री केजरीवाल - जिन्हें शराब नीति मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किया गया था, ने दावा किया है कि सहायक पुलिस आयुक्त एके सिंह ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया था, जब उन्हें रिमांड आवेदन में सुनवाई के लिए अदालत लाया जा रहा था।

श्री सिंह वही पुलिसकर्मी हैं जिन पर पिछले साल उसी अदालत के परिसर में श्री सिसोदिया की गर्दन पकड़ने का आरोप था जब पत्रकार उनसे सवाल पूछ रहे थे। यह कृत्य वीडियो में कैद हो गया और श्री सिसोदिया ने एक लिखित शिकायत दर्ज की थी। दिल्ली पुलिस ने किसी भी गलत काम से इनकार किया था और कहा था कि वीडियो में दिखाई गई कार्रवाई सुरक्षा के लिए आवश्यक थी और किसी भी आरोपी के लिए मीडिया को बयान देना कानून के खिलाफ था।

पुलिस ने अदालत में एक आवेदन भी दायर किया था, जिसमें श्री सिसौदिया को केवल वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश करने की अनुमति मांगी गई थी। उन्होंने दावा किया था कि यह जरूरी था क्योंकि उसे पेश करने से अदालत के गलियारों में आप समर्थकों और मीडियाकर्मियों के जमा होने से अराजकता पैदा हो गई थी। जबकि श्री सिसौदिया को पिछले साल फरवरी में दिल्ली शराब नीति मामले में हिरासत में लिया गया था, श्री केजरीवाल को गुरुवार रात ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था, वह इस तरह की कार्रवाई का सामना करने वाले पहले मौजूदा मुख्यमंत्री बन गए। आप प्रमुख को राउज एवेन्यू अदालत में पेश किया गया, जिसने एजेंसी को सात दिनों के लिए उनकी हिरासत दे दी।

हापुड़ पारा अपडेट

मैक्सिमम	मिनीमम
22.00°C°C	11.00 °C°C

सूर्यास्त (आज) ›› 17.10 बजे

सूर्योदय (कल) ›› 06.25 बजे

मीरा कुमार भी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी

पटना: कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने भी इस बार का आम चुनाव नहीं लड़ने का एलान किया है । श्रीमती कुमार ने शनिवार को सोशल मीडिया के जरिए 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की । उन्होंने अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट किया, 2024 के आम चुनाव में मैंने नहीं लड़ने का निर्णय किया है। मैं अपने देश के लोगों, विशेषकर गरीब, वंचित वर्ग और महिलाओं की सेवा हमेशा करती रहूंगी। गौरतलब है कि श्रीमती मीरा कुमार दो बार बिहार के सासाराम (सुरक्षित) संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वह सासाराम से 2004 और 2009 के लोकसभा चुनाव में विजयी हुई थीं। 2004 में वह केंद्रीय मंत्री और 2009 में देश की प्रथम महिला लोकसभा अध्यक्ष बनी थीं लेकिन 2014 और 2019 में वह सासाराम में भाजपा उम्मीदवार छेदी पासवान से हार गईं ।

कर्नाटक में भाजपा-जद-एस का सीट समझौता संपन्न

बेंगलुरु: कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी और उसके क्षेत्रीय सहयोगी जनता दल (सेक्युलर) ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सीटों बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया है। समझौते के अनुसार, जद-एस कोलार, हासन और मांड्या लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कर्नाटक में भाजपा के राज्य चुनाव प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने इन निर्वाचन क्षेत्रों में जद-एस-भाजपा के बीच हुए समझौते की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि कोलार, हासन और मांड्या लोकसभा सीटों पर जद-एस चुनाव लड़ेगी और हम जद-एस का समर्थन करेंगे। गठबंधन में हालांकि कुछ मनमुटाव भी दिखाई दिया है, क्योंकि कर्नाटक जद-एस अध्यक्ष एचडी कुमारस्वामी ने पहले कहा था कि उनकी पार्टी भाजपा नेतृत्व से अंतिम मंजूरी की प्रतीक्षा किए बिना कोलार सहित तीन निर्वाचन क्षेत्रों में अपना उम्मीदवार उतारेगी।

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार अस्थिर हालत में

बागी विधायकों ने अंततः भाजपा का दामन थामा

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली: हिमाचल प्रदेश विधानसभा के छह पूर्व कांग्रेस विधायक, जिन्हें राज्यसभा चुनाव में पार्टी व्हिप का उल्लंघन करने और क्रॉस वोटिंग के बाद अयोग्य घोषित कर दिया गया था, आज तीन निर्दलीय विधायकों के साथ भाजपा में शामिल हो गए।

कांग्रेस से भाजपा में पलायन को एक समारोह में औपचारिक रूप दिया गया, जिसमें केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर और राज्य इकाई के अध्यक्ष राजीव बिंदल

सहित प्रमुख भाजपा हस्तियों ने भाग लिया। श्री ठाकुर ने इन पूर्व कांग्रेस विधायकों का भाजपा में स्वागत करते हुए, चुनावी वादों को पूरा करने में विफलता का आरोप लगाते हुए राज्य में मौजूदा कांग्रेस सरकार की आलोचना की। अयोग्य ठहराए गए कांग्रेस के छह विधायक, जिन्होंने भाजपा के प्रति निष्ठा बदल ली, वे हैं - सुधीर शर्मा, रवि ठाकुर, राजिंदर राणा, इंदर दत्त लखनपाल, चेतन्य शर्मा और देविंदर कुमार भुट्टो। कांग्रेस के टिकट पर चुने गए, उन्हें पार्टी के निर्देशों का पालन करने से इनकार करने के कारण 29 फरवरी को अयोग्य घोषित कर दिया गया।

उनके कार्यों, जिसमें हिमाचल प्रदेश विधानसभा में एक निर्णायक प्रस्ताव के दौरान राज्य सरकार के पक्ष में मतदान करने से बचना शामिल था, के कारण उन्हें कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया। भाजपा में शामिल होने वाले तीन स्वतंत्र विधायक आशीष शर्मा, होशियार सिंह और केएल ठाकुर हैं।

भूमिगत जल भंडारण बेहतर करने की दिशा में काम नहीं

बेंगलुरु तो बस झांकी है पूरे देश अभी बाकी है

▶▶ लगातार बोरिंग से सूख रहे जल स्रोत

▶▶ प्राकृतिक जलभंडारों की क्षमता घटी

▶▶ इस बार 38 फीसद पानी ही बचा है

तेजयुग न्यूज

नईदिल्ली: क्या शेष भारत बेंगलुरु की हालत का अनुसरण करेगा? देश के जलाशयों में जल भंडारण सिर्फ 38 फीसद रह गया है। गर्मी के मौसम से पहले, भारत के 150 प्राथमिक जलाशयों में जल भंडारण क्षमता उनकी कुल क्षमता का सिर्फ 38 प्रतिशत है, जो पिछले दशक की इसी अवधि के औसत से कम है। बेंगलुरु जैसे शहर पहले से ही 2,600 एमएलडी की मांग के मुकाबले लगभग 500 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) पानी की कमी से जूझ रहे हैं।

इससे साफ है कि देश के दूसरे कई शहरों का हाल भी बेंगलुरु जैसा होगा क्योंकि गर्मी के तीन महीने अभी बाकी हैं। केंद्रीय जल आयोग के साप्ताहिक बुलेटिन के अनुसार, अन्य राज्यों में से कर्नाटक में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में कम भंडारण स्तर दर्ज किया गया। बेंगलुरु में 14,000 बोरवेल हैं जिनमें से

6,900 सूख चुके हैं। जलस्रोतों पर या तो अतिक्रमण हो गया है या वे सूख गये हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने संवाददाताओं से कहा था कि शहर को 2,600 एमएलडी पानी की आवश्यकता है, जिसमें से 1,470 एमएलडी कावेरी नदी से और 650 एमएलडी बोरवेल से आता है।

हिमाचल प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना (दोनों राज्यों में दो संयुक्त परियोजनाएं) और तमिलनाडु सहित कई अन्य राज्यों ने भी कम भंडारण स्तर की सूचना दी है।

लोकसभा के चुनाव प्रचार पर भी हिंसा असर दिख रहा

कांग्रेस प्रत्याशी की जनसभा के दौरान फायरिंग

तेजयुग न्यूज

गुवाहाटी: मणिपुर के चुनाव प्रचार पर भी हिंसा का असर साफ साफ देखा जा रहा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि मणिपुर में कांग्रेस उम्मीदवार का चुनाव प्रचार शुक्रवार को अज्ञात बदमाशों द्वारा की गई गोलीबारी के बाद अराजक हो गया। फायरिंग की आवाज सुनकर वहां मौजूद लोग जान बचाने इधर उधर भाग निकले।

रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना उखरुल जिले (बाहरी मणिपुर निर्वाचन क्षेत्र) से कांग्रेस के संभावित उम्मीदवार अल्फ्रेड कन्नगम आर्थर की एक सार्वजनिक बैठक के दौरान हुई। आर्थर के भाषण के दौरान बदमाशों ने गोलीबारी की, जिससे उखरुल जिले के टीनेम में सार्वजनिक बैठक में भाग लेने वाले लोगों के बीच दहशत की स्थिति पैदा हो गई। हैरानी की बात यह है कि यह कांग्रेस नेता पर इस तरह के लक्षित हमलों की तीसरी घटना है। कथित तौर पर, अल्फ्रेड पर

इससे पहले सोमवार को भी उखरुल के पाओरेई शिरई गांव में टीके वुडलैंड रिसॉर्ट में हथियारबंद बदमाशों ने हमला किया था। मंगलवार को कांग्रेस नेता पर एक संवाद कार्यक्रम के दौरान हथियारबंद बदमाशों ने दूसरी बार गोलियों से हमला किया। मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) के अध्यक्ष के मेघचंद्र ने मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और राज्य सरकार से हालिया हमलों के जवाब में उखरुल जिले के बाहरी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा उपाय लागू करने का आह्वान किया है।

हिंसा पीड़ित मणिपुर की हालत के बारे में यह सर्वविदित है कि यहां का समाज साफ तौर पर दो हिस्सों में बंट गया है। इस क्रम में वहां की बहुसंख्यक हिंदू आबाद के नेता भी एक मैतेई हथियारबंद संगठन के साथ खड़े नजर आ रहे है। आरोप है कि खुद मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने ही राज्य की इस अराजक स्थिति को बढ़ावा दिया है।

खतरा ▶ दुनिया के प्रदूषण की एक बड़ी समस्या शायद मिट जाएगी

बायोडिग्रेडेबल माइक्रोप्लास्टिक्स भी अब तैयार हो गये

▶▶ दो सौ दिनों में तीन प्रतिशत ही बचा

तेजयुग न्यूज

रांची: प्लास्टिक जब पहली बार बना तो लोगों ने उसे विज्ञान का वरदान कहा था। बाद में यही कथित वरदान दुनिया के लिए खतरा बन गया। इसी प्लास्टिक के बहुत ही छोटे कण माइक्रोप्लास्टिक्स कहलाते हैं। यह सुक्ष्म टुकड़े अब धरती से लेकर समुद्र की गहराई तक में जीवन के लिए खतरा बन गये हैं। इससे शायद

▶▶ परीक्षण में सफल रहा है यह

▶▶ तीन तरीके से जांच की गयी

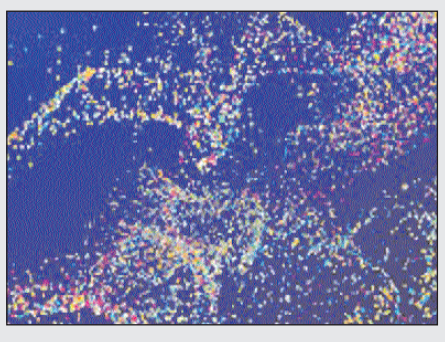

अब निजात मिल सकती है। वर्तमान में माइक्रोप्लास्टिक को नष्ट होने में 100 से 1,000 साल तक का समय लग सकता है और इस बीच, हमारा ग्रह और शरीर इन सामग्रियों से हर दिन अधिक प्रदूषित होते जा रहे हैं। पारंपरिक पेट्रोलियम-आधारित प्लास्टिक और माइक्रोप्लास्टिक्स के लिए व्यवहार्य विकल्प ढूंढना कभी भी इतना महत्वपूर्ण नहीं रहा है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय सैन डिएगो और सामग्री-विज्ञान कंपनी अल्जेनेसिस के वैज्ञानिकों के नए शोध से पता चलता है कि उनके पौधे-आधारित पॉलिमर बायोडिग्रेड होते हैं - यहां तक कि माइक्रोप्लास्टिक स्तर पर भी - सात महीने से कम समय में वे नष्ट हो जाते हैं।

पेपर के लेखकों में से एक रॉबर्ट पोमेरॉय ने कहा

इनलोगों ने जब पहली बार लगभग छह साल पहले इन शैवाल-आधारित पॉलिमर का निर्माण किया था, तो उनलोगों का इरादा हमेशा यह था कि यह पूरी तरह से बायोडिग्रेडेबल हो, पेपर के लेखकों में से एक रॉबर्ट पोमेरॉय ने कहा। वह रसायन विज्ञान और जैव रसायन विज्ञान के प्रोफेसर हैं। इसकी बायोडिग्रेडेबिलिटी का परीक्षण करने के लिए, टीम ने अपने उत्पाद को बारीक माइक्रोपार्टिकल्स में पीस लिया, और यह पुष्टि करने के लिए तीन अलग-अलग माप उपकरणों का उपयोग किया कि, जब खाद में रखा गया था, तो सामग्री रोगाणुओं द्वारा पच रही थी। पहला उपकरण रेस्पिरोमीटर था। जब रोगाणु खाद सामग्री को तोड़ते हैं, तो वे कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) छोड़ते हैं, जिसे रेस्पिरोमीटर मापता है। इन परिणामों की तुलना सेलूलोज के टूटने से की गई, जिसे 100 प्रतिशत बायोडिग्रेडेबिलिटी का उद्योग मानक माना जाता है। पौधे-आधारित पॉलिमर सेलूलोज से लगभग एक सौ प्रतिशत मेल खाता है।

मॉस्को के आतंकवादी हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 143 हुयी

पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लिया

▶▶ आईएस संगठन ने ली है जिम्मेदारी

तेजयुग न्यूज

मॉस्को: रूस की राजधानी मॉस्को में एक कॉन्सर्ट हॉल में शुक्रवार को हुए आतंकवादी हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 143 हो गई है जबकि 100 से अधिक लोग घायल हैं। रूस की जांच समिति ने शनिवार को यह जानकारी दी। समिति ने कहा कि आपातकालीन सेवाएं आतंकवादी हमले स्थल - मॉस्को ओब्लास्ट में क्रोकस सिटी हॉल से मलबे को हटाने का काम

जारी था क्योंकि वहां से और शव पाये गये थे। प्रारंभिक निरीक्षण के बाद समिति ने कहा कि आतंकवादियों ने कॉन्सर्ट हॉल में छोड़े गए गोला-बारूद के साथ-साथ स्वचालित हथियारों का भी इस्तेमाल किया।